भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †5121

सोमवार, 03 अप्रैल, 2023/13 चैत्र, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

कर्नाटक में एसडीएस के अंतर्गत अवसंरचना विकास

†5121. श्री अण्णासाहेब शंकर जोल्लेः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास कर्नाटक में स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत अवसंरचना विकास हेतु कोई कार्य योजना है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण सर्किटों के विकास के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(घ) क्या सरकार ने चेन्नई-बेंगलुरु-मुम्बई गलियारे और बेंगलुरु-पूना राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ-साथ पर्यटन स्थल के विकास के लिए कोई योजना तैयार की है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ङ) पर्यटक स्थलों के विकास की जिम्मेदारी मुख्यत: संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) प्रशासन की है । हालांकि, पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2014-15 में अपनी स्वदेश दर्शन योजना तैयार की, जिसके तहत विभिन्न थीमों में 5292.57 करोड़ रुपये की राशि से देश में 76 परियोजनाएं स्वीकृत की गई । इस योजना के एक भाग के रूप में ग्रामीण परिपथ थीम के तहत दो परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई थी जिनका विवरण निम्नानुसार है: -

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य का नाम/ वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	बिहार/ 2017-18	गांधी परिपथ का विकास: भितिहरवा- चंद्रहिया-तुरकौलिया	44.27
2.	केरल/ 2018-19	मलनाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास	57.35
		कुल	**101.62**

स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से मंत्रालय द्वारा अब स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में संशोधित किया गया है और इस योजना के तहत महाराष्ट्र राज्य में 'सिंधुदुर्ग'; कर्नाटक में 'हम्पी' तथा 'मैसूरु' और तमिलनाडु में 'मामल्लापुरम' तथा 'नीलगिरी' को विकास हेतु गंतव्यों के रूप में चिन्हित किया गया है ।

*****